BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन

आषाढ़ कृष्ण पक्ष नवमी बुधवार विक्रम संवत् 2079 । 22 जून 2022

6TH FLOOR, INDIRA BHAWAN, RCS PATH, PATNA-800001. BIHAR, INDIA.

दिव्यांग विद्यार्थी व रोजगार करने वालों को बैट्री चालित ट्राईसाइकिल

कैबिनेट फैसला

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो । उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे और रोजगार करने वाले दिव्यांगजनों को राज्य सरकार बैट्री चालित ट्राईसाइकिल देगी। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 10 हजार बैट्री चालित ट्राईसाइकिल वितरण करने का लक्ष्य है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। पहले आओ और पहले पाओ के आधार पर डीएम की अध्यक्षता में गठित कमेटी इसके लिए योग्य लाभुक का चयन करेगी। योजना के लिए 42 करोड़ की मंजूरी मिली। सीएम नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में इस योजना की स्वीकृति दी गई।

मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तीकरण छात्र योजना के तहत संचालित संबल योजना के अंतर्गत इसकी स्वीकृति दी गई है। बैठक के बाद कैबिनेट के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने कहा कि स्नातक और इसके ऊपर की शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थी इसके लाभुक होंगे। बिहार राज्य में अपना रोजगार कर रहे परिवार के कमाऊ सदस्य भी इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र होंगे। छात्रावास अथवा आवास से तीन किमी से अधिक दूरी तय कर कॉलेज-विश्वविद्यालय जाने व रोजगार के लिए जाने वाले को ही योजना का लाभ मिलेगा।

- वित्तीय वर्ष 2022-23 में दस हजार ट्राईसाइकिल का होगा वितरण, कैबिनेट ने 42 करोड़ की दी स्वीकृति

लाभुक की शर्तें

- स्नातक व इससे ऊपर की पढ़ाई करे विद्यार्थियों और रोजगार करने वालों को मिलेगा योजना का लाभ
- बिहार के स्थायी निवासी एवं बिहार में रह रहे हैं
- पात्रता को अधिकतम आय 2 लाख प्रतिवर्ष होनी चाहिए
- 17 वर्ष या ज्यादा उम्र, न्यूनतम 60% चलंत दिव्यांगता हो

जेपी गंगा पथ पर 24 से फर्राटा भरेंगे वाहन

अटल पथ-2 और मीठापुर आरओबी का भी 24 जून को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे उद्घाटन

सुविधा 1

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। आगामी 24 जून को गंगा किनारे बन रहे जेपी गंगा पथ और अटल पथ फेज-दो आम जनता के लिए खुल जाएगा। दोनों सड़कों का लोकार्पण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे। उद्घाटन समारोह में पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन भी मौजूद रहेंगे। उद्घाटन के पूर्व मंत्री ने पथ निर्माण के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, सचिव संदीप कुमार आर पुडकलकट्टी, पथ विकास निगम के सीजीएम संजय कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ दोनों परियोजनाओं का जायजा लिया।

श्री नवीन ने कहा कि 24 जून को शाम 4.30 बजे सीएम इसका उद्घाटन करेंगे। मुंबई की तर्ज पर पटना में गंगा किनारे बन रहे जेपी गंगा पथ के प्रथम फेज का काम पूरा हो गया है। दीघा से पीएमसीएच तक बनी इस सड़क की लंबाई 7.4 किमी है, जिसमें 6.5 किमी में 13 मीटर ऊंचाई तक पथ का निर्माण बांध बनाकर किया गया है। वैसा भाग जहां गंगा को पटना के नजदीक लाने के लिए गंगा चैनल का निर्माण किया गया है वहां वृहद पुलों का निर्माण किया गया है। उद्घाटन होने के बाद गंगा पथ से एएन सिन्हा संस्थान के पास सम्पर्क पथ द्वारा अशोक राजपथ और पीएमसीएच से जुड़ जाएगा। इस पथ के सहारे पीएमसीएच आने वाले वाहन सीधे अस्पताल परिसर में प्रवेश कर जाएंगे। लगभग 40 मीटर चौड़ी सड़क के किनारे 5 मीटर चौड़े पैदल पथ का निर्माण किया गया है। सुरक्षा को देखते हुए पुल के नीचे चार हाईट गेज लगा दिया गया है। हाईट गेज की ऊंचाई 5.5 मीटर है यानि इतनी ऊंचाई तक के वाहन ही गंगा एक्सप्रेसवे पर जा सकेंगे। इससे पुल पर क्षमता से अधिक भारवाले वाहन नहीं जा सकेंगे।

जेपी गंगा पथ और अटल पथ फेज-दो के तहत निर्मित रोटरी। • हिन्दुस्तान

अटल पथ-2 : नेहरू पथ से गंगा पथ आ-जा सकेंगे लोग

2 पटना। अटल पथ के पहले चरण में आर ब्लॉक से दीघा तक सड़क बनी है, उसका लोकार्पण 15 जनवरी 2021 को हो चुका है। इसके दूसरे चरण में दीघा से गंगा पथ तक का निर्माण कराया गया है। 70 करोड़ की लागत से बनी इस सड़क के बन जाने से अटल पथ से गंगा पथ होते हुए जेपी सेतु पार कर सकेंगे। इस सड़क को बनाने में दानापुर-अशोक राजपथ पर आरओबी का निर्माण हुआ है। इसके लिए एफसीआई के गोदाम की कुछ भूमि को अधिगृहित किया गया। लगभग 1.30 किमी लंबी 4 लेन सड़क बनाकर इसे जेपी गंगा पथ के दीघा छोर पर रोटरी से जोड़ दिया गया है। इस सड़क के बन जाने से नेहरू पथ से सीधे गंगा पथ आया-जाया जा सकता है।

कंकड़बाग से सीधे जा सकेंगे खगौल

3 पटना। आगामी 24 जून को मीठापुर आरओबी का भी उद्घाटन होगा। मंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष दिसम्बर 21 में इसका निर्माण कार्य पूर्ण होने का रास्ता प्रशस्त हुआ जब करबिगहिया फ्लाईओवर के मीठापुर आर्म के नक्शे पर सहमति विमानन मंत्रालय (रेल संरक्षण आयोग) ने दी थी। यह निर्माण कार्य पटना-गया रेलमार्ग के ऊपर किया गया है। यह योजना कई वर्षों से लंबित थी जो अब पूरी हो चुकी है। इस फ्लाईओवर के पूर्ण होने से कंकड़बाग से आने या जाने वाले यात्री सीधे गर्दनीबाग, अनीसाबाद और खगौल आ-जा सकेंगे। इससे बेली रोड पर ट्रैफिक का भार कम होगा। इसके निर्माण में सभी सुरक्षात्मक पहलुओं पर ध्यान दिया गया है। इसके निर्माण के वक्त कभी ट्रेनों का परिचालन नहीं रुका। रेलवे की गाइडलाइन के अनुरूप निमार्ण हुआ।

बिहार पर्यटन विकास निगम कार्यकारी एजेंसी को नामित करेगी

राज्य ब्यूरो, पटना : गया में आने वाले देसी-विदेशी पर्यटकों के लिए 25 करोड़ से अधिक राशि से दो रोप-वे बनाए जाएंगे। पर्यटन विभाग के प्रस्ताव को राज्य कैबिनेट की स्वीकृति मिल गई है। डुंगेश्वरी पर्वत पर 16.76 करोड़ रुपये जबकि ब्रह्मयोनि पर्वत पर 8.76 करोड़ से रोप-वे का निर्माण किया जाएगा। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम कार्यकारी एजेंसी को नामित करेगी।

पर्यटन विभाग के द्वारा वर्ष 2016-17 में दोनों रोप-वे के लिए राशि की स्वीकृति दी गई थी मगर पांच बार निविदा प्रकाशन के बावजूद एजेंसी का चयन नहीं हो पाया। इस दौरान निर्माण का प्राक्कलन भी बढ़ गया जिसके बाद बढ़ी हुई राशि की स्वीकृति दी गई है। वर्ष 2016 में ब्रह्मयोनि पर्वत पर रोप-वके के लिए चार करोड़ 24 लाख जबकि डुंगेश्वरी पर्वत के रोप-वे के लिए आठ करोड़ 43 लाख की राशि स्वीकृत हुई थी। विभाग के अनुसार, जल्द ही एजेंसी का चयन कर रोप-वे निर्माण का काम शुरू होगा।

कैबिनेट के फैसले

16.76 करोड़ स्वीकृत हुए डुंगेश्वरी पर्वत के रोप-वे के लिए

8.76 करोड़ रुपये मंजूर ब्रह्मयोनि पर्वत के रोप-वे के लिए

छह मिनट में पहुंचेंगे ब्रह्मयोनि पर्वत

ब्रह्मयोनि पर्वत पर बनने वाले रोप-वे दया प्रकाश सरस्वती स्कूल के पास से शुरू होगा जो ब्रह्मयोनि पर्वत पर मातृयोनी गुफा के पास तक जाएगा। इस सफर को तय करने में लगभग छह मिनट का समय लगेगा। इसके लिए रोप-वे में चार केबिन होंगे। प्रत्येक केबिन में चार-चार यात्रियों के बैठने की क्षमता होगी।

डुंगेश्वरी पर्वत पर बनने वाले रोप-वे में होंगे दो सेक्शन

डुंगेश्वरी पर्वत पर बनने वाला रोप-वे दो सेक्शन में होगा। पहला हिस्सा बस-कार पार्किंग से शुरू होकर डुंगेश्वरी माता मंदिर तक जाएगा। इसमें पांच मिनट का समय लगेगा। इसके लिए छह केबिन होंगे। प्रत्येक केबिन में छह यात्री बैठ सकेंगे। इसके अलावा रोप-वे का दूसरा हिस्सा वहां से थोड़ी दूरी पर शुरू होगा जो डुंगेश्वरी पहाड़ के पास स्तूप तक जाएगा। इसके लिए दो केबिन होंगे जिसमें छह-छह यात्री बैठ सकेंगे। इस सफर का समय भी पांच मिनट 15 सेकेंड के करीब होगा।

90 तरह के कृषि यंत्रों पर मिलेगा अनुदान, ₹94 करोड़ स्वीकृत

गया के डुंगेश्वरी व ब्रह्मयोणि पर्वत पर लगेगा रोपवे

पॉलिटिकल रिपोर्टर | पटना

कृषि रोड मैप के तहत कृषि यांत्रिकरण योजना के लिये इस वर्ष 94.05 करोड़ खर्च करने की स्वीकृति दी गई है। इसके तहत किसानों को 90 तरह के कृषि यंत्रों पर अनुदान दिए जाएंगे। राज्य में निर्मित यंत्रों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान दी जायेगी तथा प्रणाली प्रबंधन वाले यंत्रों में भी सब्सिडी का प्रावधान होगा। जीविका दीदियों को ट्रेनिंग भी दी जाएगी। फसल अवशेष प्रबंधन के यंत्रों (हैपी सीडर, सुपर सीडर, स्ट्रॉ बेलर, स्ट्रॉ रीपर, रीपर कम बाईंडर समेत अन्य) पर कुल राशि का 33 फीसदी यानी 31.03 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। पोस्ट हार्वेस्ट और हॉर्टिकल्चर से संबंधित यंत्रों (मिनी राइस मिल, राइस मिल, चैन सॉ समेत अन्य) पर कुल राशि का 12 फीसदी यानी 11.28 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। कतार में बुआई के यंत्रों (सीड ड्रील, पोटैटो प्लांटर, सुगरकेन कटर कम प्लांटर समेत अन्य) पर कुल राशि का 7 फीसदी यानी 6.58 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। गया जिला के डुंगेश्वरी पर्वत और ब्रह्मयोणि पर्वत पर 25 करोड़ की लागत से रोपवे लगेंगे। मंगलवार को कैबिनेट ने दोनों रोपवे के लिए रिवाइज्ड इस्टीमेट की मंजूरी दी है।

कैबिनेट का फैसला एसएफसी को 10 हजार करोड़ लोन के लिए राजकीय गारंटी मंजूर

सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में धान और गेहूं खरीद के लिए एसएफसी को 10 हजार करोड़ रुपए लोन के लिए राजकीय गारंटी प्रदान की मंजूरी दे दी है। कैबिनेट की बैठक के बाद अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ ने बताया कि खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अन्तर्गत गेहूं और धान अधिप्राप्ति के लिए बिहार राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम को क्रियाशील पूंजी की आवश्यकता होती है। इसके लिए वो व्यावसायिक बैंकों, नाबार्ड आदि से त्रैमासिक ब्याज दर पर लोन लेती है। इस वर्ष कुल 10 हजार करोड़ रुपए लेने के लिए कैबिनेट ने राजकीय गारंटी प्रदान करने की स्वीकृति दी है। इससे किसानों से आसानी से धान और गेहूं खरीदी जा सकेगी।

- पथ निर्माण विभाग के इंजीनियर इन चीफ हनुमान प्रसाद चौधरी को 30 जून की सेवानिवृत्ति के बाद संविदा के आधार पर अगले एक वर्ष तक या इस संवर्ग में नियमित प्रोन्नति होने तक नियोजित करते हुए मुख्य अभियंता (प्रभारी) का प्रभार देने की स्वीकृति।
- कोरोना परिप्रेक्ष्य में पीजी छात्रों एवं एमबीबीएस इन्टर्न को एक माह के मानदेय/छात्रवृत्ति के समतुल्य प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की घटनोत्तर स्वीकृति।
- भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता हरिगोपाल सिंह को अनिवार्य सेवानिवृत्ति के दण्ड की स्वीकृति।
- डॉ. जुनैद अख्तर चिकित्सा पदाधिकारी सदर अस्पताल किशनगंज, डॉ. आशुतोष कुमार चिकित्सा पदाधिकारी पीएचसी कोचाधामन किशनगंज, डॉ. उमेश कुमार चिकित्सा पदाधिकारी सदर अस्पताल पूर्णिया और डॉ. अनिमेष कुमार चिकित्सा पदाधिकारी रेफरल अस्पताल अमौर पूर्णिया को बर्खास्त करने की स्वीकृति।
- डॉ. चन्दन प्रसाद सिंह के बर्खास्तगी आदेश को निरस्त करते जुलाई 2004 से अगस्त 2014 तक नियमित सेवा मानते हुए कार्य नहीं तो वेतन नहीं के सिद्धांत पर पेंशन एवं सेवान्त लाभ के भुगतान की स्वीकृति।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 22.06.2022 | पृष्ठ सं० 02

अफसरों को हार्वर्ड व कैंब्रिज के प्रोफेसर पढ़ाएंगे पाठ

राज्य ब्यूरो, पटना : राज्य के सरकारी अफसरों को आक्सफोर्ड, कैंब्रिज व हार्वर्ड जैसे विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर प्रशिक्षित करेंगे। बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) इसके लिए ऐसे विश्वस्तरीय संस्थानों के साथ करार करेगा। यह प्रोफेसर कानून, संचार नीति, वित्तीय प्रबंधन आदि विषयों पर प्रशिक्षण देंगे। इसके लिए समय-समय पर विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाएगा।

बिपार्ड में अफसरों को प्रशिक्षण देते हार्वर्ड के प्रोफेसर के विश विश्वनाथ। • सौ : स्वयं।

बिपार्ड के विशेष कार्य पदाधिकारी बी कार्तिकेय धनजी ने बताया कि पहले चरण में अमेरिका स्थित हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर के विश विश्वनाथ को आमंत्रित किया गया है। वह फिलहाल 60वीं-62वीं बैच के वरीय उपसमाहर्ताओं के पांचवें समूह और 53वीं- 55वीं बैच के अवर निरीक्षकों को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दे रहे हैं। जल्द ही न्यूयार्क के कैंब्रिज विश्वविद्यालय, लंदन स्कूल ऑफ इकोनामिक्स, कैंब्रिज बिजनेस स्कूल और आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से समझौता किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में केंद्र सरकार का कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग अपने अफसरों को बेहतर प्रशिक्षण के लिए इन प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में भेजता है। बिहार में भी सी-डैक सहित कई संस्थाओं के माध्यम से अफसरों को प्रशिक्षण दिलाया जाता है। हमने अब विश्वस्तरीय प्रतिष्ठित कालेजों के प्रोफेसरों को ही बिहार बुलाने का निर्णय लिया है। इससे बड़ी संख्या में अफसरों को एक साथ प्रशिक्षित किया जा सकेगा। उदाहरण के लिए, अगर वित्तीय प्रबंधन से जुड़ा कोई प्रशिक्षण होगा तो लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स के विशेषज्ञ आमंत्रित किए जाएंगे। इसी तरह अन्य विषय विशेषज्ञों को प्राथमिता दी जाएगी।

मालूम हो कि बिपार्ड के माध्यम से राज्य के सरकारी विभागों के अफसरों को लोक प्रशासन, सुशासन, ई-गवर्नेंस, तकनीकी प्रबंधन, मानवाधिकार, जेंडर इश्यू, पंचायती राज आदि विषयों पर समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाता है।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 22.06.2022 | पृष्ठ सं० 01

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	324
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	63
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	51
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,47,16,315
⇒ कम से कम एक डोस	7,10,39,034
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	6,10,47,968

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

कतर

दक्षिण कोरिया

जापान

हॉग कॉग

यू.ए.ई.

सिंगापुर

बहरीन

न्यूजीलैंड

कनाडा

यू.एस.ए.

ऑस्ट्रेलिया

सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

मुम्बई

हैदराबाद

पुणे

चेन्नई

नागपुर

गुजरात

कोलकाता

वाराणसी

गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.